DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

25 April, 2024

अनुच्छेद 244ए

संदर्भ: *असम के दीफू लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र (जहां 26 अप्रैल को मतदान है) में उम्मीदवार, एक स्वायत्त राज्य के लिए अनुच्छेद 244 (ए) को लागू करने का संकल्प ले रहे हैं।*

अनुच्छेद 244ए - स्वायत्त राज्य निर्माण:

- अनुच्छेद 244(ए) असम के कुछ आदिवासी क्षेत्रों के भीतर एक 'स्वायत्त राज्य' की स्थापना की अनुमति देता है।
- इसमें स्थानीय प्रशासन के लिए स्थानीय विधायिका या मंत्रिपरिषद या दोनों के गठन की परिकल्पना की गई है।
- इसे वर्ष 1969 के 22वें संविधान संशोधन अधिनियम के माध्यम से संविधान में जोड़ा गया था।
- अनुच्छेद 244(ए) जनजातीय क्षेत्रों को छठी अनुसूची की तुलना में अधिक स्वायत्त शक्तियाँ प्रदान करता है, विशेषकर कानून और व्यवस्था को नियंत्रित करने में।

छठी अनुसूची - जनजातीय क्षेत्रों का प्रशासन:

- भारतीय संविधान की छठी अनुसूची असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम में आदिवासी क्षेत्रों के प्रशासन को नियंत्रित करती है, साथ ही आदिवासी अधिकारों की रक्षा करती है।
- यह प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 244(2) और अनुच्छेद 275(1) में उल्लिखित है।
- असम राज्य के दिमा हसाओ, कार्बी आंगलोंग, पश्चिम कार्बी और बोडो प्रादेशिक क्षेत्र के पहाड़ी जिले इस प्रावधान में शामिल हैं।
- राज्यपाल के पास इस अनुसूची के अंतर्गत स्वायत्त जिलों के क्षेत्रों, नामों या सीमाओं को बदलने का अधिकार है।
- हालाँकि संघ की कार्यकारी शक्तियाँ 5वीं अनुसूची के तहत अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तारित हैं, छठी अनुसूची क्षेत्र राज्य के कार्यकारी प्राधिकरण के अधीन रहते हैं।
- अनुसूचित क्षेत्र राज्य के बाकी हिस्सों से अलग एक अलग प्रशासनिक मशीनरी के साथ संचालित होते हैं।
- वर्तमान में, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान और तेलंगाना सहित दस राज्यों में पांचवीं अनुसूची के क्षेत्र शामिल हैं।
- केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और जम्मू-कश्मीर की जनजातीय बस्तियां पांचवीं या छठी अनुसूची में शामिल नहीं हैं।

स्वायत्तता और राजनीतिक विकास की मांग:

- स्वायत्तता की मांग असम में 1950 के दशक के पहाड़ी क्षेत्रों के आंदोलन से चली आ रही है।
- स्वायत्त राज्य मांग समिति (ASDC) और छात्र निकाय आरम्भ से ही स्वायत्तता के लिए लगातार दबाव बना रहे हैं।
- इस सन्दर्भ में उग्रवादी समूहों के साथ कई शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें अधिक स्वायत्तता और विकास का वादा किया गया था।

खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट 2024 (GRFC)

संदर्भ: *24 अप्रैल, 2024 को जारी खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट, 2024 के अनुसार, वर्ष 2023 में, 59 देशों में 282 मिलियन लोगों को तीव्र खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ा, जिसमें चरम मौसम एक महत्वपूर्ण कारक था।*

रिपोर्ट में क्या है ?

- वर्ष 2023 में, 59 देशों में लगभग 282 मिलियन लोगों को उच्च स्तर की तीव्र खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ा।
- चरम मौसम खाद्य संकट को बढ़ाने वाले दूसरे सबसे महत्वपूर्ण कारक के रूप में उभरा।
- तीव्र खाद्य असुरक्षा का सामना करने वाले लोगों का अनुपात उच्चतर बना हुआ है, जो लगातार चार वर्षों से पूर्व COVID -19 के स्तर से अधिक है।
- 20 देशों में संघर्ष/असुरक्षा प्राथमिक कारक थी, जिससे 135 मिलियन लोग सीधे प्रभावित हुए।
- मौसम की चरम सीमा ने 18 देशों को प्रभावित किया, जिससे 72 मिलियन से अधिक लोग प्रभावित हुए।

रुझान और विश्लेषण:

- तीव्र खाद्य असुरक्षा लगातार पांचवें वर्ष बढ़ी है, जिससे आकलन किए गए 5 में से 1 व्यक्ति प्रभावित हुआ है।
- खाद्य असुरक्षा विश्लेषण कवरेज में वृद्धि हुई, जिससे प्रभावित व्यक्तियों की संख्या में भी वृद्धि हुई।
- 12 देशों में तीव्र खाद्य असुरक्षा की स्थिति बदतर हो गई है, सूडान वैश्विक स्तर पर सबसे खराब खाद्य संकटों का सामना कर रहा है।
- सूडान और गाजा में संघर्षों के कारण जबरन विस्थापित लोगों की संख्या 90 मिलियन तक पहुंच गई, जो विगत आठ वर्षों में सबसे अधिक है।

विशिष्ट संकट क्षेत्र:

- सूडान को गंभीर खाद्य संकट का सामना करना पड़ा, इस समय लगभग एक तिहाई आबादी को आपातकालीन खाद्य सहायता की आवश्यकता थी।
- सूडान के दक्षिणपूर्वी क्षेत्रों में संघर्ष ने देश की खाद्य सुरक्षा को खतरे में डाल दिया, जिससे अनाज उत्पादन और अनाज भंडारण प्रभावित हुआ।
- गाजा में आठ वर्षों में सबसे गंभीर खाद्य संकट देखा गया, लगभग 80% आबादी आंतरिक रूप से विस्थापित हो गई।

पूर्वानुमान और चेतावनी:

- एक एकीकृत खाद्य सुरक्षा चरण वर्गीकरण (IPC) विश्लेषण ने उत्तरी गाजा में आसन्न अकाल और गाजा पट्टी के बाकी हिस्सों में अकाल के खतरे की चेतावनी दी।
- यह अनुमान लगाया गया, कि लगभग 1.1 मिलियन लोग भयावह तीव्र खाद्य असुरक्षा (आईपीसी चरण 5) का अनुभव कर रहे हैं।

खाद्य संकट के चालक:

- 21 देशों में आर्थिक जोखिम तीसरे मुख्य कारक के रूप में उभरे, जिससे 75 मिलियन से अधिक लोग प्रभावित हुए।
- कम आय वाले और आयात पर निर्भर देश विशेष रूप से असुरक्षित थे, क्योंकि यह निर्भरता वैश्विक स्तर पर खाद्य पदार्थों की घटती कीमतें संचारित करने में विफल रहीं।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

25 April, 2024

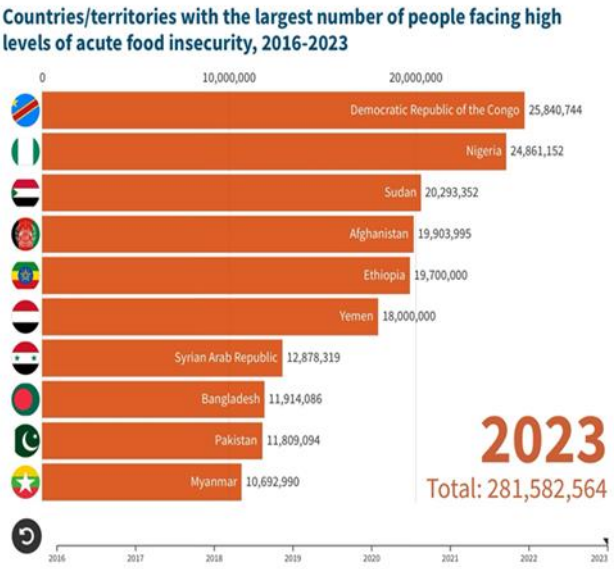

डेरिवेटिव (व्युत्पन्न) अनुबंध

संदर्भ: *नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स पर डेरिवेटिव अनुबंध शुरू करने की घोषणा कर दी है।*

- NSE ने निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स पर डेरिवेटिव अनुबंधों को मंजूरी देने और इसे लॉन्च करने की घोषणा की है।
- इसके लिए तीन क्रमिक मासिक सूचकांक और विकल्प अनुबंध पेश किए जाएंगे।
- डेरिवेटिव अनुबंध समाप्ति माह के अंतिम शुक्रवार को समाप्त होंगे।
- निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स घटकों का बाजार पूंजीकरण 29 मार्च, 2024 तक ₹70 ट्रिलियन था, जो एनएसई-सूचीबद्ध शेयरों के कुल बाजार पूंजीकरण का 18% दर्शाता है।

➢ डेरिवेटिव:

- डेरिवेटिव एक प्रकार के वित्तीय उपकरण हैं जो स्टॉक या इंडेक्स जैसे मौजूदा उपकरणों पर निर्भर होते हैं और उनके भविष्य के मूल्य पर सट्टेबाजी के रूप में कार्य करते हैं।
- उनका प्राथमिक उद्देश्य अंतर्निहित परिसंपत्तियों के मूल्य के खिलाफ बचाव करना है, ये अनुबंध पूर्व निर्धारित तिथियों पर समाप्त हो रहे हैं और अनुबंध समाप्ति पर परिसंपत्तियों को कोई स्वामित्व नहीं देते हैं।
- व्युत्पन्न अनुबंधों का स्टॉक एक्सचेंजों पर कारोबार किया जाता है और सेबी द्वारा विनियमित किया जाता है, जिन्हें अलग-अलग बाजार कार्यप्रणाली और जोखिम प्रोफाइल के साथ वित्तीय प्रतिभूतियों के रूप में माना जाता है।

वायदा और विकल्प (Futures and Options):

➢ वायदा:

- वायदा अनुबंध खरीदार को प्रवेश पर संपत्ति खरीदने/बेचने के लिए बाध्य करता है, जिसमें प्रवेश पर निपटान होता है।
- इनके प्रकारों में वित्तीय वायदा (जैसे, स्टॉक, मुद्रा, सूचकांक, ब्याज दर) और भौतिक वायदा (जैसे, कमोडिटी, ऊर्जा, धातु) दोनों शामिल हैं।

➢ विकल्प:

- विकल्प अनुबंध खरीदार को एक निश्चित तिथि से पहले पूर्व निर्धारित मूल्य पर संपत्ति खरीदने/बेचने का अधिकार देते हैं, लेकिन दायित्व नहीं।
- कॉल विकल्प खरीदने का अधिकार देते हैं, जबकि पुट विकल्प बेचने का अधिकार देते हैं।

➢ एफ एंड ओ (F & O) ट्रेडिंग:

- एफ एंड ओ ट्रेडिंग में पूर्व निर्धारित कीमतों पर अंतर्निहित परिसंपत्तियों को खरीदना/बेचना शामिल है, जिसमें मूल्य परिवर्तन से मुनाफा होता है।
- वायदा कारोबार में मार्जिन जमा की आवश्यकता होती है, जबकि विकल्प कारोबार में प्रीमियम का भुगतान शामिल होता है।
- व्यापारियों में हेजर्स (जोखिम कम करना), सट्टेबाज (उतार-चढ़ाव से मुनाफा कमाना), और मध्यस्थ (कीमत अंतर का फायदा उठाना) शामिल हैं।

➢ निवेश संबंधी विचार:

- वायदा और विकल्प कारोबार लाभ की संभावना प्रदान करता है लेकिन इसमें जोखिम भी शामिल होता है।
- इनके निवेशकों में हेजर्स (मूल्य जोखिमों का प्रबंधन), सट्टेबाज (मूल्य परिवर्तन से लाभ कमाना), और मध्यस्थ (मूल्य अंतर का फायदा उठाना) शामिल हैं।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

शेंगेन वीज़ा

हाल ही में, यूरोपीय आयोग ने भारतीय नागरिकों के लिए शेंगेन वीजा प्राप्त करने के लिए एक नई वीजा प्रणाली "कैस्केड" शुरू की है, जो विस्तारित वैधता अवधि के साथ बहु-प्रवेश पहुंच प्रदान करता है।

शेंगेन वीज़ा के बारे में:

- शेंगेन वीज़ा एक प्रवेश परमिट है जो यात्रियों को शेंगेन क्षेत्र के देशों में प्रवेश करने की अनुमति देता है।
- वीज़ा का उपयोग पर्यटन, व्यवसाय, परिवार से मिलने, चिकित्सा उपचार, अध्ययन, प्रशिक्षण प्लेसमेंट और स्वयंसेवी गतिविधियों के लिए किसी भी 180-दिन की अवधि के भीतर 90 दिनों तक के छोटे प्रवास के लिए किया जा सकता है।
- वीज़ा शेंगेन राज्यों के क्षेत्र और हवाई अड्डों के माध्यम से पारगमन की भी अनुमति देता है।
- शेंगेन वीज़ा एकल-प्रवेश वीज़ा के रूप में प्राप्त किया जा सकता है, जो धारक को शेंगेन क्षेत्र में एक बार प्रवेश करने की अनुमति देता है या बहु-प्रवेश वीज़ा, जो शेंगेन क्षेत्र में कई यात्राओं के लिए तब तक प्रदान किया जाता है जब तक कि यह वैध।
- शेंगेन क्षेत्र में 27 यूरोपीय संघ के सदस्य देशों में से 23, आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड, बुल्गारिया, साइप्रस और रोमानिया और आयरलैंड शामिल हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

पुलिकट झील

तमिलनाडु सरकार पुलिकट झील पक्षी अभयारण्य के एक बड़े क्षेत्र को गैर-अधिसूचित करने पर विचार कर रही है, जैसा कि राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति की 77वीं बैठक में चर्चा की गई थी।

पुलिकट झील के बारे में:

- पुलिकट झील भारत के कोरोमंडल तट पर एक खारे पानी का लैगून है जो आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु की सीमा पर स्थित है।
- यह चिल्का झील के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा खारे पानी का लैगून है।
- यह एक पक्षी अभयारण्य भी है जो राजहंस, ग्रे पेलिकन, चित्रित सारस और अन्य पक्षियों की एक बड़ी संख्या को आवास भी प्रदान करता है।
- पुलिकट झील अपनी समृद्ध जैव विविधता के लिए जानी जाती है, जिसमें विभिन्न प्रकार की जलीय प्रजातियाँ और प्रवासी जल पक्षी शामिल हैं।
- यह झील बंगाल की खाड़ी से श्रीहरिकोटा द्वीप द्वारा अलग की गई है, जहाँ सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र है।
- झील के प्रमुख प्रवाह में अरनी, कलंगी और स्वर्णमुखी नदियाँ शामिल हैं, जबकि बकिंघम नहर एक नेविगेशन चैनल के रूप में कार्य करती है।

क्लोराइड द्रव्यमान संतुलन विधि

हाल ही में, पूरे ऑस्ट्रेलिया में एक अध्ययन में क्लोराइड द्रव्यमान संतुलन (सीएमबी) विधि का उपयोग करके पुनर्भरण दरों का अनुमान लगाने के लिए 200,000 भूजल क्लोराइड माप का उपयोग किया गया।

क्लोराइड द्रव्यमान संतुलन विधि के बारे में:

- क्लोराइड द्रव्यमान संतुलन विधि (क्लोराइड मास बैलेंस विधि -सीएमबी) एक मात्रात्मक तकनीक है जिसका उपयोग वर्षा और भूजल दोनों नमूनों में मौजूद क्लोराइड सामग्री का विश्लेषण करके भूजल पुनर्भरण दरों का अनुमान लगाने के लिए किया जाता है।
- यह विधि हाइड्रोलॉजिकल चक्र के भीतर क्लोराइड के रूढ़िवादी व्यवहार के सिद्धांत पर काम करती है, यह मानते हुए कि वर्षा के माध्यम से क्लोराइड का इनपुट भूजल निर्वहन के माध्यम से इसके आउटपुट के बराबर है।
- यह भूजल पुनर्भरण दर को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों पर विचार करता है, जिसमें वनस्पति स्वास्थ्य और घनत्व जैसे वनस्पति-संबंधी कारकों के साथ-साथ वर्षा वितरण और वाष्पीकरण-वाष्पोत्सर्जन जैसे जलवायु परिवर्तन भी शामिल हैं।
- यह विधि शुष्क या अर्ध-शुष्क वातावरणों में विशेष उपयोगिता रखती है जहां सीमित डेटा उपलब्धता के कारण पारंपरिक भूजल पुनर्भरण अनुमान विधियां कम प्रभावी हो सकती हैं।
- इस पद्धति के माध्यम से, शोधकर्ता भूजल पुनर्भरण दरों का अनुमान लगा सकते हैं और पूरे अध्ययन क्षेत्र में पुनर्भरण में स्थानिक विविधताओं को दर्शाने वाले ग्रिड मानचित्र तैयार कर सकते हैं।

साँप का जहर

हाल ही में, वैज्ञानिकों ने सांप के जहर के साथ बड़े जानवरों को इंजेक्शन लगाने की पुरानी पद्धति को समाप्त करते हुए, मानव एंटीबॉडी के साथ जानवरों की भागीदारी को प्रतिस्थापित करके एंटीवेनम उत्पादन में क्रांति ला दी है।

साँप के जहर के बारे में:

- साँप का जहर एक अत्यधिक जहरीली लार है जिसका उपयोग साँप बचाव के लिए और अपने शिकार को स्थिर करने और पचाने के लिए करते हैं
- इनमें विभिन्न विषाक्त पदार्थों के जटिल मिश्रण होते हैं, जिनकी संरचना विभिन्न प्रजातियों के बीच और यहां तक कि विभिन्न क्षेत्रों में एक ही प्रजाति के भीतर भी भिन्न-भिन्न होती है।
- विषैले सांपों के दो प्राथमिक परिवार, एलैपिड्स (कोबरा, क्रेट और मांबा सहित) और वाइपरिड्स (जैसे रैटलस्नेक और एडर), विशिष्ट विषैले घटकों वाले जहर का उत्पादन करते हैं।
- इन जहरों में विभिन्न प्रकार के विषाक्त पदार्थ होते हैं, जिनमें न्यूरोटॉक्सिन शामिल हैं जो तंत्रिका तंत्र रिसेप्टर्स को लक्षित करते हैं, हेमोटॉक्सिन रक्त के थक्के और ऊतक विनाश को प्रभावित करते हैं, साइटोटॉक्सिन कोशिका क्षति का कारण बनते हैं और एंजाइम शारीरिक प्रक्रियाओं को बाधित करते हैं।
- साँप का जहर लाभकारी चिकित्सा उपकरण भी हो सकता है क्योंकि उनमें मूल्यवान औषधीय क्रियाओं वाले कई घटक होते हैं, जिनमें शामिल हैं: न्यूरोटॉक्सिसिटी, मायोटॉक्सिसिटी, साइटोटॉक्सिसिटी, हेमोटॉक्सिसिटी और रोगाणुरोधी गतिविधि।

सुर्खियों में स्थल

पुर्तगाल

25 अप्रैल 2024 को, पुर्तगाल तानाशाही शासन के अंत और लोकतंत्र की शुरुआत की क्रांति की 50वीं वर्षगांठ मना रहा है।

पुर्तगाल (राजधानी: लिस्बन)

अवस्थिति: पुर्तगाल, जिसे आधिकारिक तौर पर पुर्तगाली गणराज्य के रूप में जाना जाता है, दक्षिण-पश्चिमी यूरोप में इबेरियन प्रायद्वीप पर स्थित एक देश है।

भौगोलिक सीमाएँ: पुर्तगाल अपनी सीमाएँ स्पेन (उत्तर और पूर्व) और अटलांटिक महासागर (पश्चिम और दक्षिण) के साथ साझा करता है।

भौतिक विशेषताएं:

- पुर्तगाल का सबसे ऊँचा स्थान माउंट पिको है, जो अज़ोरेस द्वीपसमूह में पिको द्वीप पर स्थित है
- पुर्तगाल में दो मुख्य पर्वत श्रृंखलाओं का प्रभुत्व है: केंद्र में सेरा दा एस्ट्रेला और दक्षिण में सेरा डी मोंचिक।
- देश में व्यापक पठार भी हैं, विशेष रूप से उत्तर-पूर्व में ट्रास-ओएस-मोंटेस पठार।
- टैगस (रियो तेजो) सबसे लंबी नदी है, जो राजधानी लिस्बन से होकर बहती है।

POINTS TO PONDER

- G7 जलवायु, ऊर्जा और पर्यावरण मंत्रियों की बैठक कहाँ होने वाली है और यह कब शुरू होगी? – **वेनारिया रीले, इटली - 28 अप्रैल**
- किस शहर ने संयुक्त राष्ट्र प्लास्टिक संधि से संबंधित अंतर सरकारी वार्ता समिति (INC-4) की चौथी बैठक की मेजबानी की? – **ओटावा, कनाडा**
- हाल ही में दक्षिण कोरियाई वैज्ञानिकों ने किस प्रकार की बैटरी तकनीक विकसित की है? – **हाइब्रिड सोडियम-आयन बैटरी**
- कौन-सा प्रतिष्ठित व्यक्तित्व मद्रास सिटी कोऑपरेटिव बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड के शताब्दी समारोह के पहले अध्यक्ष थे और उन्होंने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को आकार देने में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति के रूप में भी काम किया था? – **एन. गोपालस्वामी अयंगर**
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR)-केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (CMFRI) के शोधकर्ताओं ने किस प्रजाति के लिए कैप्टिव प्रजनन सफलतापूर्वक हासिल किया? – **गोल्डन ट्रेवेली (ग्नाथनोडोन स्पेशियोसस)**